सफलता की कहानी.....करूणा साहू की जुबानी

नाम – **करूणा साहू**

पिता – **स्व. श्री भूषण साहू**

निवासी – **ग्राम कानापोड़, लखनपुरी**

वि.ख.– चारामा

जिला – **उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)**

मध्यम वर्गीय परिवार की शिक्षित करूणा साहू का समय घर के रोजमर्रा के कामकाज में यूंही गुजर रहा था। करूणा को स्नातक उत्तीर्ण करने के बाद बेरोजगारी का भय भी सता रहा था। स्वावलम्बी बनने की इच्छा रखने वाली और सजने–संवरने का शौक रखने वाली करूणा को स्वरोजगार स्थापित करने की प्रेरणा, वर्ष 2015 में शासकीय योजना से जुड़ने के बाद मिली।

करूणा ने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत प्रशिक्षण के लिए आवेदन किया और निकटतम प्रशिक्षण संस्था– समहित जनकल्याण समिति चारामा से ब्यूटी कल्चर एवं हेयर ड्रेसिंग का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया। जहॉ उसे ब्यूटी कल्चर की बारीकियों को समझने का मौका मिला और हेयर ड्रेसिंग की नई तकनीकों का गुर भी सीखा। नई राह मिलने की खुशी में करूणा ने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूर्ण किया।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद करूणा ने अपने गॉव में एक छोटी सी दुकान खोलकर स्वरोजगार स्थापित कर लिया। सजने संवरने का शौक रखने वाली करूणा, अब अपने साथ–साथ गॉव की अन्य सखियों को भी सजाती संवारती है। करूणा आज भी घर के रोजमर्रा के कामकाज में अपनी मॉ का हाथ बटाती हैं और अपना ब्यूटी पार्लर भी चलाती है। जिससे उसे हर महीने 5000 रूपये तक की आय भी अर्जित हो जाती है।

करूणा की स्वावलम्बी बनने की इस इच्छा ने उसे नया रास्ता दिखाया और आर्थिक रूप से सशक्त होकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए उसके अन्दर आत्मविश्वास भी जगाया।

सफलता की कहानी.....रोशनी देवागंन की जुबानी

नाम – कु. रोशनी देवागंन

पिता – श्री उमाशंकर देवागंन

निवासी – चारामा

जिला – उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

मध्यम वर्गीय परिवार की शिक्षित रोशनी देवागंन 2013 में स्नातक की पढ़ाई पुरी कर चुकी थी। रोशनी के पिता जी की एक छोटा सी दुकान है, जिससे घर का खर्च चलता था। रोशनी ने कम उम्र में ही अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के सपने संजो रखे थे और पढ़ाई के बाद रोजगार से जुड़ने का उसका यह फैसला अटल था।

स्वावलम्बी बनने की इच्छा रखने वाली और कुछ करने की चाह में रोशनी ने वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत सिलाई का प्रशिक्षण के लिए संस्था– समहित जनकल्याण समिति चारामा में आवेदन किया। आवेदन के पश्चात प्रशिक्षण में सिलाई सीखने व नई डिजाईनों को समझने का मौका मिला तथा अपना प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूर्ण किया।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद कु. रोशनी ने चारामा में सिलाई का कार्य अपने घर पर प्रारंभ कर स्वरोजगार स्थापित किया। सिलाई का हुनर सीखने के पश्चात अब वह अपने आस–पास के लोगों का कपड़ा सिलाई का कार्य करती है। जिससे उसे हर महीने 4000–5000 रूपये तक की आय भी अर्जित हो जाती है। रोशनी अपने इस काम से बेहद खुश है और उसके परिवार को भी उस पर गर्व है। अपने कौशल का लोहा मनवाने रोशनी ने कौशल ऑलम्पियाड 2018 में हिस्सा लिया और बस्तर संभाग स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।

रोशनी की स्वावलम्बी बनने की इस इच्छा ने उसे नया रास्ता दिखाया और आर्थिक रूप से सशक्त होकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए उसके अन्दर आत्मविश्वास भी जगाया।